NEWS COVERAGE REPORT

OF

CULTURE DEPARTMENT

FOR

5 FEBRUARY 2025

DAILY NEWS

संस्कृति मंत्री ने किया पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह का उद्घाटन

Publication	दैनिक जागरण (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 FEB 2025	Page- 03

कथक नृत्य से सुवासित पंडित बिरजू महाराज की स्मृतियां

जागरण संवाददाता • लखनऊ: पं. बिरजू महाराज की स्मृतियां हर किसी के जेहन में थीं। कलाकार जब उन्हें निवेदित प्रस्तुतियां देने मंच पर आए तो मानों उनकी सभा में महाराज भी शामिल हो उठे। सुंदर नृत्य प्रस्तुतियों से उनकी यादें सुवासित हो उठीं। आनंदमग्न दर्शक इन सुगंधित संस्मरणों को साथ ले गए।

बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से पं. बिरजू महाराज की जयंती पर संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे महाराज प्रेक्षागृह में महाराज की शिष्या डा. दीपांविता सिंघा राय ने एकल कथक प्रस्तुति दी। उनके साथ सारंगी पर जीशान अब्बास, सितार पर नीरज मिश्रा, पढ़ंत में रुद्रशंकर मिश्र, तबले पर उदय शंकर मिश्र, गायन संग हारमोनियम पर नम्रता गुप्ता ने संगत की। इसके बाद बिरजू महाराज की वरिष्ठ शिष्या कथक गुरु मालती श्याम के निर्देशन में कथक केंद्र नई दिल्ली के कलाकारों ने सामूहिक कथक नृत्य प्रस्तुत किया। वसंत पर आधारित इस प्रस्तुति संग जब 'सब भांति सुहाई ऋतु वसंत...' गूंजा तो दर्शक विभोर हो उठे। डोलमा गुप्ता, पल्लवी जैन, लक्ष्मण साहू, श्रेष्ठा जखमोला, हर्षिता द्विवेदी, बादल बैरिहा, ईपशिता गांगुली, सोनाली सैलानी, सिमरन पासपोला, तरुपि रजोरा, ऋचा बलूनी और प्रज्ञा गोस्वमी ने इस प्रस्तुति को अपने नृत्यों से सजाया।

उनके साथ तबले पर योगेश गंगानी, सारंगी पर नासिर खान, पखावज पर हर्षद लाल, गायन संग हारमोनियम पर समी उल्लाह खान, बांसुरी पर सिद्धार्थ डलबेहरा व सितार पर मेहराब हुसैन ने शानदार संगत की। इससे पहले संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह पं. बिरजू महाराज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह, बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष कुमकुम धर आदि उपस्थित रहे।

एसएनए में पं .बिरजू महाराज जयंती समारोह में प्रस्तुति देते कथक केंद्र नई दिल्ली के छात्र-छात्राएं • जागरण

कथक और पं. बिरजू महाराज एक-दूसरे के पर्याय: जयवीर

समारोह को संबोधित करते संस्कृति व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह • जागरण

जयंती समारोह में संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि कथक और पं. बिरजू महाराज एक-दूसरे के पर्याय हैं। पं. बिरजू महाराज ने कथक के साथ संगीत की अन्य विधाओं के क्षेत्र में भी देश-दुनिया में नाम रोशन किया। उत्तर प्रदेश सरकार कला, संगीत के क्षेत्र में कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए सतत प्रयास कर रही है। कलाकारों का आनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। 12 हजार से ज्यादा कलाकार पंजीकृत हो चुके हैं।

प्रस्तुति देतीं दीपांविता सिंघा

Publication	अमर उजाला (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 FEB 2025	Page-08

बिरजू महाराज की याद में गूंजी घुंघरुओं की छमछम

संवाद न्यूज एजेंसी

गोमती नगर स्थित संगीत नाटक अकादमी में पं. बिरजू महाराज की जयंती पर कथक की प्रस्तुति देतीं कलाकार। -संवाद

लखनऊ। कथक सम्राट पं. बिरजू महाराज की याद में मंगलवार को संगीत नाटक अकादमी (एसएनए) का सभागार घुंघरुओं की छमछम गूंज उठी। गुरु की जयंती पर उनकी शिष्याओं ने कथक की प्रस्तुतियों से उन्हें नमन किया।

कथक सम्राट की जयंती पर सजी महफिल

बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से गोमतीनगर स्थित संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह में आयोजित नृत्य प्रस्तुति की शुरुआत बिरजू महाराज की शिष्या डॉ. दीपांविता सिंघा रॉय ने निर्वाण अष्टकम से की।

उन्होंने अपनी एकल कथक नृत्य के जरिये पारंपरिक नृत्य तीन ताल की प्रस्तुति दी। इसके बाद उन्होंने अपने नृत्य और भाव भंगिमाओं से मंच पर गंगा अवतरण की अनुभूति कराई। ठुमरी से भी परिचित कराया।

उनके साथ सहयोगी सारंगी पर जीशान अब्बास, सितार पर नीरज मिश्रा, तबला पर उदय शंकर मिश्र, पढंत में रूद्रशंकर मिश्र और गायन एवं हारमोनियम पर नम्रता गुप्ता ने संगत की। कथक गुरु मालती श्याम के निर्देशन में कथक केंद्र नई दिल्ली के कलाकारों ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया।

वसंत ऋतु पर आधारित गीत सब भांति सुहाई ऋतु वसंत... पर डोलमा गुप्ता, पल्लवी जैन, लक्ष्मण साहू, श्रेष्ठा जखमोला, हर्षिता द्विवेदी, बादल बैरिहा, ईपशिता गांगुली, सोनाली सैलानी, सिमरन पासपोला, तरुषि रजोरा, ऋचा बलूनी, प्रज्ञा गोस्वामी ने सामूहिक कथक की प्रस्तुति दी।

उनके साथ तबला पर योगेश गंगानी, सारंगी पर नासिर खान, पखावज पर हर्षद लाल, गायन एवं हार्मोनियम पर समी उल्लाह खान, बांसुरी पर सिद्धार्थ डलबेहरा और सितार पर मेहराब हुसैन ने संगत की।

इससे पहले पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह की शुरुआत संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष डॉ. कुमकुम धर, निदेशक रविंद्र कुमार, तुहिन द्विवेदी, प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग मुकेश मेश्राम ने दीप प्रज्जवलित कर किया। संचालन अदिति थपलियाल ने किया।

कलाकारों को सरकार दे रही अवसर : जयवीर सिंह

संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार कलाकारों को रोजगार देने के साथ उनकी प्रतिभा के प्रदर्शन के अवसर प्रदान कर रही है। कलाकारों को उचित मंच प्रदान करने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किया गया था। प्रदेश से करीब 12 हजार कलाकार पंजीकृत हो चुके हैं। पंजीकृत कलाकारों को साल में कम से कम तीन कार्यक्रम देने के लिए विभागों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि कलाकारों के साथ अन्याय न हो इसके लिए ए, बी, सी श्रेणी बांटकर मानदेय तय किए गए हैं।

Publication	हिन्दुस्तान (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 FEB 2025	Page-07

कथक के रंग कथक सम्राट पद्मविभूषण स्वर्गीय पण्डित बिरजू महाराज की जयंती पर मंगलवार को संगीत नाटक अकादमी में बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से आयोजित समारोह में नृत्य करतीं कलाकार।

बिरजू महाराज को नृत्य से नमन

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। कथक सम्राट पद्मविभूषण स्वर्गीय पण्डित बिरजू महाराज की जयंती पर नृत्य की संरचनाओं से नमन किया गया। पंडित बिरजू महाराज की शिष्या डॉ.दीपान्विता सिंघा रॉय ने कथक की प्रस्तुतियां देकर गुरु को याद किया।

बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से आयोजित पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह में दीपान्विता सिंघा रॉय ने एकल कथक नृत्य के जरिये दर्शकों का दिल जीत लिया। मुख्य अतिथि संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह रहे। संगीत नाटक अकादमी में बिरजू महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष डा. कुमकुम धर, भातखण्डे की कुलपति प्रो. माण्डवी सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह समारोह में मुख्य अतिथि रहे।

अब कलाकारों का मानदेय भी तयः जयवीर सिंह

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि पहले कलाकारों के लिए योजना नहीं थी। हमारी सरकार आने के बाद कलाकारों को सक्षम बनाने की दिशा में काम किया गया। अब कलाकारों को ए, बी और सी श्रेणी में बाटकर मानेदय तय कर दिया गया है। तय कर दिया कि कलाकार को कम से तीन कार्यक्रम अवश्य मिलें।

Publication	नवभारत टाइम्स (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 FEB 2025	Page-06

पं. बिरजू महाराज को नृत्य से नमन

■ NBT न्यूज, लखनऊः प्रसिद्ध कथकाचार्य पं. बिरजू महाराज की जयंती पर उनके शिष्य और शिष्याओं ने नृत्य के जरिए उनको नमन किया। उप्र संस्कृति विभाग के बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से मंगलवार को संगीत नाटक अकादमी के प्रेक्षागृह में आयोजित जयंती समारोह का उद्घाटन प्रदेश के संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने पद्मविभूषण पं. बिरजू महाराज के चित्र पर माल्यार्पण किया।

समारोह की प्रथम प्रस्तुति में बिरजू महाराज की शिष्या डॉ. दीपान्विता सिंघा रॉय ने कथक नृत्य में गंगा अवतरण को प्रस्तुत किया। इसमें नृत्यागंना ने भगवान शिव की जटाओ से गंगा के पृथ्वी पर आने के दृश्य को अपने नृत्य की भावभंगिमओं से वड़ी खूबसूरती प्रस्तुत किया। वहीं कथक गुरु मालती श्याम के निर्देशन में कथक केंद्र नई दिल्ली के कलाकारों ने प्रस्तुति दी। प्रस्तुति में वसंत ऋतु के सुहावने मौसम को दिखाया। इसमें डोलमा गुप्ता, पल्लवी जैन, लक्ष्मण साहू, श्रेष्ठा जखमोला, हर्षिता द्विवेदी, बादल बैरिहा, ईपशिता गांगुली, सोनाली सैलानी, सिमरन पासपोला, तरूषि रजोरा, ऋचा वलूनी, प्रज्ञा गोस्वमी पेश किया। इस अवसर पर भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह, बिरजू महाराज संस्थान की अध्यक्ष डॉ. कुमकुम धर, उपाध्यक्ष अवधेश तिवारी, निदेशक रवींद्र कुमार, उपनिदेशक तूहिन द्विवेदी सहित संगीत की कई हस्तियां मौजूद थी।

कलाकारों के लिए पेंशन की व्यवस्था होगी

मुख्य अतिथि संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मेरा प्रयास है कि प्रदेश के सभी कलाकारों को साल में तीन बार मंच मिले। साथ ही नवोदित कलाकरों की कला में निखार भी हो सके। उन्होंने बताया कि हमने कलाकारों की प्रस्तुति के बाद उनका आधा मानदेव तुरंत उनके खाते में भेजने की व्यवस्था की है। इसके एक सप्ताह बाद शेष बचा हुआ मानदेय उनके खाते में पहुंच जाएगा। साथ ही सरकार का यह प्रयास है कि बुर्जुग कलाकारों के लिए पेंशन व्यवस्था हो सके।

Publication	राष्ट्रीय सहारा (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 FEB 2025	Page-05

कथक व पं. बिरजू महाराज एक-दूसरे के पर्याय : जयवीर

संस्कृति मंत्री ने पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह का उद्‌घाटन किया

वाराणसी की दीपान्विता व कथक केंद्र दिल्ली के कलाकारों ने घुंघरू की झंकार से गुरु को किया याद

लखनऊ (एसएनबी)। पं. विरजू महाराज की 88वीं जयंती पर समारोह का आयोजन संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह गोमती नगर में किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दीप जलाकर किया। उन्होंने पद्म विभूषण पं.विरजू महाराज को याद करते हुए कहा कि कथक और महाराज एक-दूसरे के पर्याय है। महाराज ने कथक के साथ संगीत की अन्य विधाओं के क्षेत्र में भी देश-दुनिया में नाम रोशन किया। उत्तर प्रदेश सरकार कला, संगीत के क्षेत्र में कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए सतत प्रयास कर रही है। संस्कृति विभाग ने इसका संकल्प लिया है। कलाकारों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। 12 हजार से ज्यादा कलाकार पंजीकृत हो चुके है।

पद्म विभूषण स्व पं.विरजू महाराज प्रसिद्ध कथक नर्तक होने के साथ एक कुशल नायक एवं रचनाकार भी थे। कथक नृत्य के लखनऊ कालिका विन्दादीन घराने से ताल्लुक रखने वाले विरजू महाराज को कथक सम्राट के नाम से भी जाना जाता है। महाराज ने कथक नृत्य में नए आयाम स्थापित किये। नृत्य नाटिकाओं को जोड़कर उसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया तथा उन्होंने कथक के प्रचार एवं प्रसार हेतु कलाश्रम, दिल्ली की स्थापना भी की। पं. विरजू महाराज जी को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार एवं कालिदास सम्मान एवं वर्ष 1986 में पद्मविभूषण की उपाधि से सम्मानित किया गया। वर्ष 2018 में हिन्दी फिल्म वाजीराव मस्तानी में नृत्य निर्देशन हेतु फिल्मफेयर अवार्ड एवं वर्ष 2021 में फिल्म विश्वरूपम- के नृत्य निर्देशन हेतु राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। समारोह में मंचीय प्रस्तुतियों की शुरूआत विरजू महाराज की शिष्या वाराणसी की डॉ. दीपान्विता सिंघा रॉय की एकल प्रस्तुति से हुई। सहयोगी कलाकार में तबला- उदय शंकर मिश्र, सितार-नीरज मिश्रा, गायन एवं हारमोनियम- नम्रता गुप्ता, पढ़ंत पर रूद्रशंकर मिश्र रहे। द्वितीय प्रस्तुति सामूहिक कथक नृत्य मालती श्याम के निर्देशन में कथक केन्द्र नई दिल्ली के कलाकारों ने प्रस्तुत किया। यह प्रस्तुति वसंत ऋतु पर आधारित थी, जिसके बोल सब भाँति सुहाई ऋतु वसंत थे। कथक नृत्य कलाकार डोलमा गुप्ता, पल्लवी जैन, लक्ष्मण साहू, श्रेष्ठा जखमोला, हर्षिता द्विवेदी, वादल वैरिहा, ईप्शिता गांगुली, सोनाली सैलानी, सिमरन पासपोला, तरूपि रजोरा, ऋद्धा वलूनी, प्रज्ञा गोस्वामी शामिल थी।

इससे पहले विरजू महाराज कथक संस्थान के निदेशक रविन्द कुमार और संस्थान की अध्यक्ष कमकुम धर, भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय की कुलपति मांडवी सिंह, पर्यटन विभाग के सलाहकार जे.पी. सिंह, संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश तिवारी, सहायक निदेशक तुहिन द्विवेदी, विरजू महाराज के चचेरे भाई वरिष्ठ कथक नर्तक राममोहन आदि मौजूद थे। संचालन अदिति थपलियाल ने किया।

Publication	अमृत विचार (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 FEB 2025	Page-04

कथक सम्राट को शिष्याओं ने दी नृत्यांजलि

▸▸ कथक सम्राट पं. बिरजू महाराज की जयंती पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : कथक सम्राट पं. बिरजू महाराज की जयंती पर बिरजू महाराज कथक संस्थान ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में गुरु को नृत्यांजलि प्रस्तुत की। इस मौके पर प्रदेश के संस्कृति और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

संत गाडगे प्रेक्षागृह में कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार। अमृत विचार

मुख्य अतिथि के साथ बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष डॉ. कुमकुम धर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम शुरू कराया।

कथक के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करने वाले पं. बिरजू महाराज की जयन्ती पर हुए कार्यक्रम की शुरुआत वाराणसी से आईं उनकी शिष्या डॉ. दीपान्विता सिंघा राय ने शानदार कथक नृत्य से की। उनके साथ सारंगी पर जीशान अब्बास, सितार पर नीरज मिश्र, पढंत पर रूद्रशंकर मिश्र, गायन व हारमोनियम पर नम्रता गुप्ता और तबले पर उदय शंकर मिश्र संगत कर रहे थे।

कथक केंद्र दिल्ली की ओर से प्रस्तुत दूसरी प्रस्तुति में पं. बिरजू महाराज की वरिष्ठ शिष्या गुरु मालती श्याम के निर्देशन में बसंत ऋतु पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया गया। सब भांति सुहाई ऋतु बसंत बोल पर कलाकारों ने दर्शकों को मुग्ध कर दिया।

इस प्रस्तुति में डोलमा गुप्ता, पल्लवी जैन, लक्ष्मण साहू, श्रेष्ठा जखमोला, हर्षिता द्विवेदी, बादल बैरिहा, इप्शिता गांगुली, सोनाली सैलानी, सिमरन पासपोला, तरुषि रजोरा, ऋद्धा बलूनी और प्रज्ञा गोस्वामी ने अपनी नृत्य प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन किया। इस प्रस्तुति में योगेश गंगानी (तबला), नासिर खान (सारंगी), हर्षद लाल (पखावज), समीउल्ला खान (गायन एवं हारमोनियम), सिद्धार्थ डलबेहरा (बांसुरी) और मेहराब हुसैन (सितार) पर संगत कर रहे थे।

Minister of Culture Inaugurates Pt. Birju Maharaj Jayanti Celebration

Publication	The Times of India (Lucknow Edition)	Publishing Date :	5 FEB 2025	Page- 04

Kathak concert marks Birju Maharaj's 88th anniversary

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The 88th birth anniversary of Kathak exponent Padma Vibhushan Pandit Birju Maharaj 'Pandit Birju Maharaj Jayanti Samaroh' was organised by Birju Maharaj Kathak Sansthan at UP Sangeet Natak Akademi on Tuesday.

State culture minister Jaiveer Singh was chief guest.

"Kathak and Birju Maharaj are synonymous, as he not only took the dance form to global recognition but also made significant contributions to other forms of music and dance. UP govt is committed to art and music and their exponents," said Singh. The event began with a captivating solo performance by Dipanwita Singha Roy, disciple of Birju Maharaj. Another performance was by artists of Kathak Kendra, New Delhi under the guidance of their guru Malti Shyam.

The event was graced by VC of Bhatkhande Vishwavidyalaya, J P Singh, advisor of tourism department and chairperson of Birju Maharaj Kathak Sansthan Kumkum Dhar.

Minister Jaiveer Singh at the event

Publication	दैनिक भास्कर	Publishing Date :	5 FEB 2025	Online

https://www.bhaskar.com/local/uttar-pradesh/lucknow/news/kathak-magician-pt-birju-maharajs-88th-birth-anniversary-celebrated-134415285.html#:~:text

कथक के जादूगर पं. बिरजू महाराज की 88वीं जयंती मनाई: लखनऊ में संस्कृति मंत्री ने श्रद्धांजलि दी, कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियां से मोहा मन

लखनऊ 11 घंटे पहले

बिरजू महाराज की 88वीं जयंती पर समारोह की शुरुआत करते अतिथि।

Publication	अमर उजाला	Publishing Date :	5 FEB 2025	Online

https://www.amarujala.com/lucknow/the-beat-of-bells-echoed-in-the-memory-of-birju-maharaj-lucknow-news-c-13-knp1002-1063365-2025-02-05

Lucknow News: बिरजू महाराज की याद में गूंजी घुंघरुओं की थाप

लखनऊ ब्यूरो
Updated Wed, 05 Feb 2025 02:04 AM IST

कथक की प्रस्तुति देतीं कलाकार।

DAILY NEWS

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव कल से, साझा संस्कृति के रंग बिखेरेंगे दोनों देशों के कलाकार

Publication	अमर उजाला (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 FEB 2025	Page- 02

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन आज से

लखनऊ। संस्कृति विभाग के संयोजन में भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन हो रहा है। महोत्सव की सांस्कृतिक यात्रा पांच फरवरी को सिद्धार्थनगर से शुरू होकर महराजगंज, कुशीनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी होते हुए 23 फरवरी को पीलीभीत में समाप्त होगी। इसके तहत दोनों देशों के कलाकार साझा संस्कृति के रंग बिखेरेंगे। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव, भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने और सांस्कृतिक, सामाजिक और कूटनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। महोत्सव के दौरान नेपाल और उत्तर प्रदेश के कलाकार संगीत, लोकगीत, और नृत्य प्रस्तुत करेंगे। इसके लिए विभिन्न जिलों में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। ब्यूरो

Publication	पायनियर (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 FEB 2025	Page- 02

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव आज से, साझा संस्कृति के रंग बिखेरेंगे दोनों देशों के कलाकार

लखनऊ। संस्कृति विभाग उप्र इस वर्ष भी भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन कर रहा है। भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव सांस्कृतिक यात्रा कल 5 फरवरी को सिद्धार्थनगर से प्रारंभ होकर महाराजगंज, कुशीनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी होते हुए 23 फरवरी को पीलीभीत में समाप्त होगी। दोनों देशों के कलाकार प्रदेश के तराई के जनपदों की सांस्कृतिक एवं गौरवशाली विरासत को सुदृढ़ बनाने का भी संदेश देंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव, भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने और दोनों देशों के सांस्कृतिक, सामाजिक, और कूटनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। नेपाल और उत्तर प्रदेश के कलाकार संगीत, लोकगीत, और नृत्य प्रस्तुत करेंगे। मैत्री महोत्सव सांस्कृतिक यात्रा 5-7 फरवरी को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर, 11 फरवरी को जवाहर लाल नेहरू पी.जी कॉलेज, महराजगंज, 13 फरवरी को बुद्ध पी.जी महाविद्यालय, कुशीनगर, 15 फरवरी को एस.एस.बी. ग्राउंड, बलरामपुर, 17 फरवरी को जगजीत इंटर कॉलेज, श्रावस्ती, 19 फरवरी को लार्ड बुद्धा इंटर कॉलेज, बहराइच, 21 फरवरी को राजकीय एकलव्य आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज/एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना परिसर, लखीमपुर खीरी और 22-23 फरवरी को गांधी स्टेडियम प्रेक्षागृह ड्रमण्ड इंटर कॉलेज, पीलीभीत में समाप्त होगी।

Publication	आज (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 FEB 2025	Page- 02

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव आज से, साझा संस्कृति के रंग बिखेरेंगे दोनों देशों के कलाकार

लखनऊ,। भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव सांस्कृतिक यात्रा कल 05 फरवरी को सिद्धार्थनगर से प्रारंभ होकर महाराजगंज, कुशीनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी होते हुए 23 फरवरी को पीलीभीत में समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि दोनो देशों के कलाकार प्रदेश के तराई के जनपदों की सांस्कृतिक एवं गौरवशाली विरासत को सुदृढ़ बनाने का भी संदेश देंगे। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव, भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने और दोनों देशों के सांस्कृतिक, सामाजिक, कूटनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। महोत्सव के दौरान, नेपाल और उत्तर प्रदेश के कलाकार संगीत, लोकगीत, और नृत्य प्रस्तुत करेंगे। मैत्री महोत्सव सांस्कृतिक यात्रा 5-7 फरवरी को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर, 11 फरवरी को जवाहर लाल नेहरू पी.जी कॉलेज, महराजगंज, 13 फरवरी को बुद्ध पी.जी महाविद्यालय, कुशीनगर, 15 फरवरी को एस.एस.बी. ग्राउंड, बलरामपुर, 17 फरवरी को जगजीत इंटर कॉलेज, श्रावस्ती, 19 फरवरी को लार्ड बुद्धा इंटर कॉलेज, बहराइच, 21 फरवरी को राजकीय एकलव्य आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना परिसर लखीमपुर खीरी और 22-23 फरवरी को गांधी स्टेडियम प्रेक्षागृह ड्रमण्ड इंटर कॉलेज, पीलीभीत में समाप्त होगी।

Publication	अमृत विचार (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	5 FEB 2025	Page- 02

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव यात्रा आज से

अमृत विचार, लखनऊ : भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव सांस्कृतिक यात्रा 5 फरवरी को सिद्धार्थनगर से शुरू होगी। यात्रा महाराजगंज, कुशीनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी होते हुए 23 फरवरी को पीलीभीत में समाप्त होगी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि दोनों देशों के कलाकार तराई जिलों की सांस्कृतिक व गौरवशाली विरासत को सुदृढ़ बनाने का संदेश देंगे। महोत्सव दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने व दोनों देशों के सांस्कृतिक, सामाजिक और कूटनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

Publication	Live Hindustan	Publishing Date :	5 FEB 2025	Online

https://www.livehindustan.com/uttar-pradesh/lucknow/story-cultural-journey-of-india-nepal-friendship-festival-begins-in-siddharthnagar-201738683684169.html#:~:text=

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव आज से, बिखरेंगे साझा संस्कृति के रंग

Lucknow News - भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव की सांस्कृतिक यात्रा 5-7 फरवरी को सिद्धार्थनगर से शुरू होकर 23 फरवरी को पीलीभीत में समाप्त होगी। यह महोत्सव दोनों देशों के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के...

Publication	UP47wale	Publishing Date :	5 FEB 2025	Online

https://www.up47wale.in/2025/02/India-Nepal-Friendship-Festival-will-be-organized-in-these-eight-districts-of-Uttar-Pradesh...these-are-the-dates.html

UP News: उत्तर प्रदेश के इन आठ जिलों में होगा भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन... ये हैं तारीख

By - Admin फ़रवरी 05, 2025 0

भारत-नेपाल की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए संस्कृति विभाग भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का दूसरा संस्करण आयोजन कर रहा है। इसके अंतर्गत सांस्कृतिक यात्रा पांच फरवरी को सिद्धार्थनगर से प्रारंभ होकर महाराजगंज, कुशीनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी होते हुए 23 फरवरी को पीलीभीत में संपन्न होगी।

Publication	New Information Today	Publishing Date :	5 FEB 2025	Online

https://newinformationtoday.com

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव कल से, साझा संस्कृति के रंग बिखेरेंगे दोनों देशों के कलाकार

लखनऊ: 04 फरवरी, संस्कृति विभाग उ0प्र0 इस वर्ष भी भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन कर रहा है। भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव सांस्कृतिक यात्रा कल 05 फरवरी को सिद्धार्थनगर से प्रारंभ होकर महाराजगंज, कुशीनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी होते हुए 23 फरवरी को पीलीभीत में समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि दोनो देशों के कलाकार प्रदेश के तराई के जनपदों की सं◌ास्कृतिक एवं गौरवशाली विरासत को सुदृढ़ बनाने का भी संदेश देंगे।

यह जानकारी आज यहां उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव, भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने और दोनों देशों के सांस्कृतिक, सामाजिक, और कूटनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। महोत्सव के दौरान, नेपाल और उत्तर प्रदेश के कलाकार संगीत, लोकगीत, और नृत्य प्रस्तुत करेंगे। मैत्री महोत्सव सांस्कृतिक यात्रा 5-7 फरवरी को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर, 11 फरवरी को जवाहर लाल नेहरू पी.जी कॉलेज, महराजगंज, 13 फरवरी को बुद्ध पी.जी महाविद्यालय, कुशीनगर, 15 फरवरी को एस.एस.बी. ग्राउंड, बलरामपुर, 17 फरवरी को जगजीत इंटर कॉलेज, श्रावस्ती, 19 फरवरी को लार्ड बुद्धा इंटर कॉलेज, बहराइच, 21 फरवरी को राजकीय एकलव्य आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज/एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना परिसर, लखीमपुर खीरी और 22-23 फरवरी को गांधी स्टेडियम प्रेक्षागृह डमण्ड इंटर कॉलेज, पीलीभीत में समाप्त होगी।

Publication	तरुणमित्र	Publishing Date :	5 FEB 2025	Online

https://www.tarunmitra.in/state/uttar-pradesh/shared-culture-will-be-shared-at-india-nepal-friendship-festival/article-72792

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में झलकेगी साझा संस्कृति

By Harshit

On 04 Feb 2025 20:11:14

लखनऊ। संस्कृति विभाग उप्र इस वर्ष भी भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन कर रहा है। भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव सांस्कृतिक यात्रा कल 05 फरवरी को सिद्धार्थनगर से प्रारंभ होकर महाराजगंज, कुशीनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी होते हुए 23 फरवरी को पीलीभीत में समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि दोनो देशों के कलाकार प्रदेश के तराई के जनपदों की सांस्कृतिक एवं गौरवशाली विरासत को सुदृढ़ बनाने का भी संदेश देंगे।